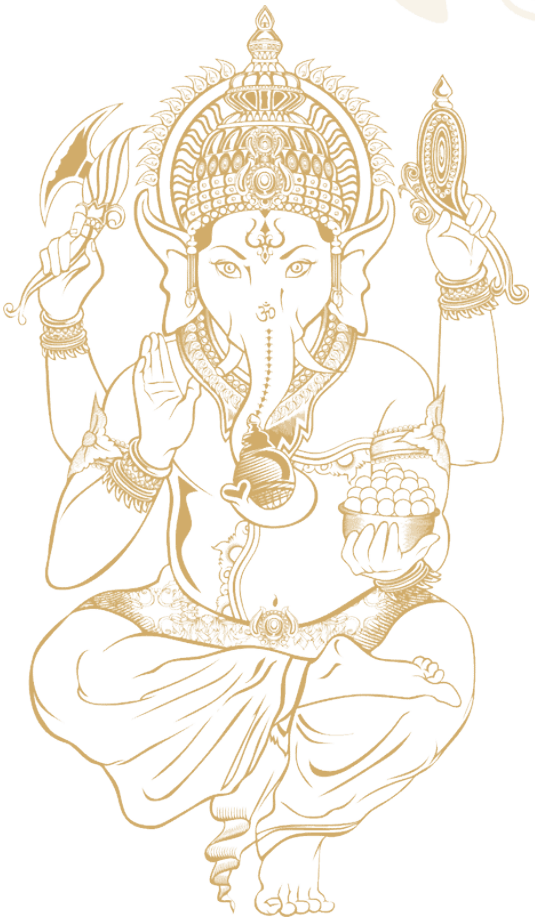

Mr.

04 Aug 1956

04:15 AM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121894604

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**3-04/08/1956**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**04:15:00 घंटे**
इष्ट	56:13:21 घटी
स्थान	**Jammu**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:42:00 उत्तर
रेखांश	74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:44:28 घंटे
वेलान्तर	-00:06:06 घंटे
साम्पातिक काल	00:34:23 घंटे
सूर्योदय	05:45:39 घंटे
सूर्यास्त	19:27:13 घंटे
दिनमान	13:41:34 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	18:16:24 कर्क
लग्न के अंश	28:24:00 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	हर्षण
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	घ-घनश्याम
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	28:24:00	304:42:31	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			कर्क	18:16:24	00:57:28	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	12:25:45	14:52:24	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	मित्र राशि
मंगल			मीन	00:05:30	00:05:30	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
बुध			सिंह	03:30:55	01:46:20	मघा	2	10	सूर्य	केतु	सूर्य	मित्र राशि
गुरु			सिंह	12:03:32	00:12:25	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
शुक्र			मिथु	06:27:30	00:37:00	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	मित्र राशि
शनि			वृश्चि	02:55:28	00:00:24	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		वृश्चि	12:44:35	00:04:18	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	12:44:35	00:04:18	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	सम राशि
हर्ष			कर्क	09:56:16	00:03:40	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	---
नेप			तुला	04:33:54	00:00:49	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
प्लूटो			सिंह	04:28:28	00:01:54	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	---
दशम भाव			मीन	16:06:06	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:15:20

लग्न-चलित

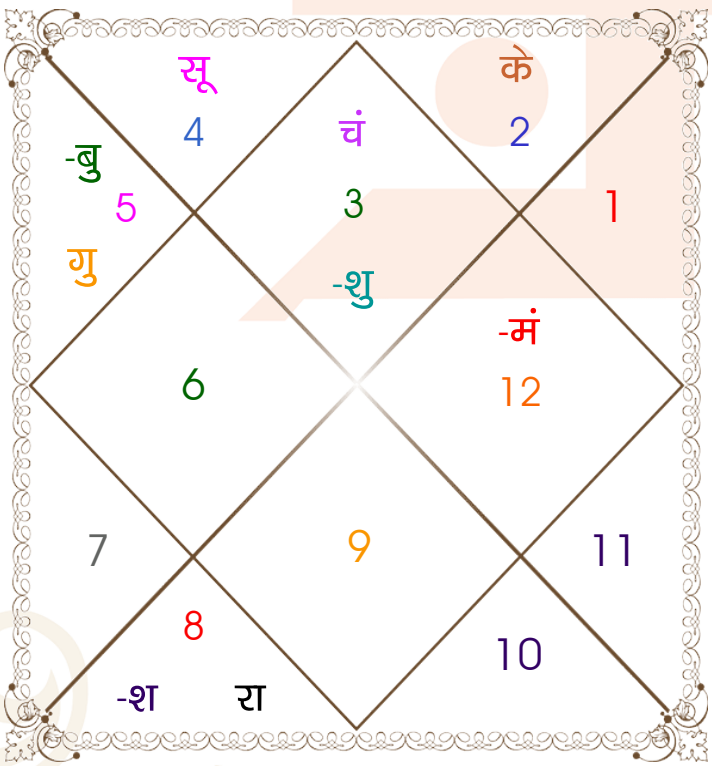

चन्द्र कुंडली

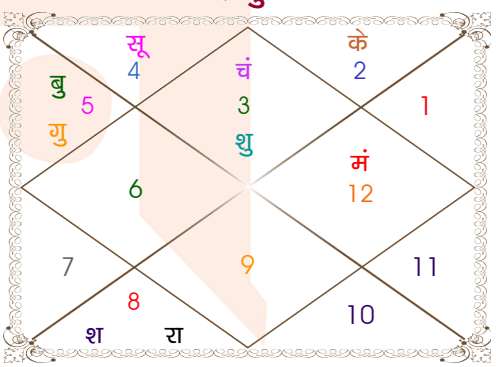

नवमांश कुंडली

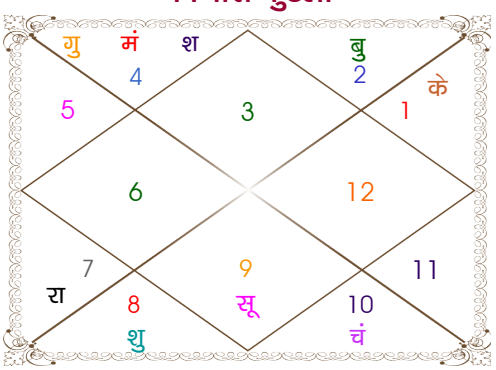

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 10 वर्ष 2 मास 19 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
04/08/1956		24/10/1966		24/10/1982		24/10/2001		24/10/2018	
24/10/1966		24/10/1982		24/10/2001		24/10/2018		24/10/2025	
	00/00/0000	गुरु	11/12/1968	शनि	27/10/1985	बुध	21/03/2004	केतु	22/03/2019
	04/08/1956	शनि	24/06/1971	बुध	06/07/1988	केतु	18/03/2005	शुक्र	21/05/2020
शनि	05/10/1956	बुध	29/09/1973	केतु	15/08/1989	शुक्र	17/01/2008	सूर्य	26/09/2020
बुध	24/04/1959	केतु	05/09/1974	शुक्र	14/10/1992	सूर्य	23/11/2008	चंद्र	27/04/2021
केतु	12/05/1960	शुक्र	06/05/1977	सूर्य	26/09/1993	चंद्र	24/04/2010	मंगल	23/09/2021
शुक्र	13/05/1963	सूर्य	22/02/1978	चंद्र	27/04/1995	मंगल	21/04/2011	राहु	12/10/2022
सूर्य	05/04/1964	चंद्र	24/06/1979	मंगल	05/06/1996	राहु	08/11/2013	गुरु	17/09/2023
चंद्र	05/10/1965	मंगल	30/05/1980	राहु	12/04/1999	गुरु	14/02/2016	शनि	26/10/2024
मंगल	24/10/1966	राहु	24/10/1982	गुरु	24/10/2001	शनि	24/10/2018	बुध	24/10/2025

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
24/10/2025		24/10/2045		24/10/2051		24/10/2061		23/10/2068	
24/10/2045		24/10/2051		24/10/2061		23/10/2068		00/00/0000	
शुक्र	22/02/2029	सूर्य	10/02/2046	चंद्र	23/08/2052	मंगल	22/03/2062	राहु	06/07/2071
सूर्य	22/02/2030	चंद्र	12/08/2046	मंगल	24/03/2053	राहु	09/04/2063	गुरु	29/11/2073
चंद्र	24/10/2031	मंगल	18/12/2046	राहु	23/09/2054	गुरु	15/03/2064	शनि	04/08/2076
मंगल	23/12/2032	राहु	11/11/2047	गुरु	23/01/2056	शनि	24/04/2065		00/00/0000
राहु	24/12/2035	गुरु	29/08/2048	शनि	24/08/2057	बुध	21/04/2066		00/00/0000
गुरु	24/08/2038	शनि	11/08/2049	बुध	23/01/2059	केतु	17/09/2066		00/00/0000
शनि	24/10/2041	बुध	18/06/2050	केतु	24/08/2059	शुक्र	17/11/2067		00/00/0000
बुध	23/08/2044	केतु	24/10/2050	शुक्र	24/04/2061	सूर्य	24/03/2068		00/00/0000
केतु	24/10/2045	शुक्र	24/10/2051	सूर्य	24/10/2061	चंद्र	23/10/2068		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 10 वर्ष 2 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षीतिज पर मिथुन लग्नोदय काल मिथुन राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस प्रकार आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम की श्रेणी में आवद्ध होकर आपके सर्वोतम जीवन को सुनिश्चित करता है।

आप उत्कृष्ट प्राणी समूह के चयनित अद्वितीय सौभाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप आरामदाय, मधुर एवं संपन्न जीवन का आनंद प्राप्त कर सकेंगे। आप सामाजिक समर्पित एवं कल्याणकारी हैं। आप गरीब एवं जरूरत मंद लोगों की सहायता कर सकते हैं। आपका जन्म लग्न इस बात को सुनिश्चित करता है कि आप अगले जन्म में भी पूर्ण सुविधा संपन्न एवं महान भाग्यशाली व्यक्ति होंगे।

आप में अतिशय महत्वाकांक्षा नहीं है। आपको जो कुछ भी प्राप्त होता है, उससे ही संतुष्ट हो जाते है। आप अन्य लोगों की तरह विलाप करने वाले नहीं हैं। आपको अपने परिश्रम का जो भी परिणाम प्राप्त होता है उससे अधिक की अपेक्षा नहीं करते। जो आपके मस्तिष्क को शांति प्रदान करता हैं तथापि कोई संदेह नही कि आप धन प्राप्ति हेतु कुछ भी कार्य-व्यवसाय करते हैं। आप कुशग्र बुद्धि के चालाक प्राणी हैं। आप अच्छे और बुरे का भेद जानने में सक्षम हैं। आप इच्छानुसार ठीक प्रकार से निश्चितता पूर्वक अच्छी आय का लाभांश प्राप्त करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे।

मुख्यतः आपके जीवन की 25 वें वर्ष की आयु के पश्चात् धनी हो जाएंगे। तब से आपका सवर्णिम काल प्रारंभ होगा।

परंतु मिथुन के प्रभाव से आप समयानुसार अपना व्यवसाय तथा पेशा प्रारंभ हेतु प्रवृत हो सकते हैं। इसलिए यदि आप अनिश्चित लाभ प्राप्त हेतु समय या साधन का दुरुपयोग करेंगे वह अकारण ही बर्वाद हो जाएगा। आप इस प्रकार के विचार पर नियंत्रण रखें तथा अपनी मनोवृत्ति के अनुसार व्यवसाय की तलाश अथवा निश्चितता हेतु दृढ़ निश्चयात्मक प्रवृत्ति का सदुपयोग करे।

आपके लिए उत्तम एवं उपयुक्त व्यवसाय, पत्रकारिता, पुस्तक प्रकाशन, वकालत अध्यापन कार्य, ज्योतिषीय कार्य तथा किसी धार्मिक संगठन के प्रधान पद पर नियोजित होकर, लाभ प्राप्त करेंगे।

आप में निःसंदेह यह गुण विद्यमान है कि आप कई कार्यों को एक ही समय पर संपादन कर सकते हैं। परंतु निश्चित समय पर किसी एक ही कार्य का संपादन करें। परंतु उत्तम तो यह है कि आप एक निश्चित कार्य की ओर परिवर्तित होकर एक समय में एक ही कार्य में संलग्न हो जाएं।

आप चतुर, तीक्ष्ण बुद्धि के प्रतिभा संपन्न हैं। आप आकस्मिक घटनाओं के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर हो सकते हैं। इस प्रकार अनेक व्यक्ति परिस्थितिवश आपके

पास पहुंच कर, आपका निर्देश प्राप्त करने के लिए आप पर दबाव डाल कर किस प्रकार लाभ प्राप्त हो ऐसी राय आप से लेगा।

आप लंबे, दुबले आकृति के, पैनी दृष्टि से युक्त एवं अति प्रसिद्ध व्यक्ति हैं। आप विपरीत योनि के प्रति बहुचर्चित होकर संबंधित स्त्रियों के साथ वासनात्मक व्यभिचारिक संबंध रखेंगे।

आप ऐसा नही चाहेंगे कि आपका पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए। अतः आपको इस मनोवृत्ति को त्यागना होगा।

जबकि आप अपनी पत्नी एवं संतान को प्यार करते हैं तथा आपको प्रसन्नतम गृह व्यवस्था उपलब्ध है फिर घर से बाहर वासानात्मक संतुष्टि क्यों चाहते हो। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं पूर्ण अनुकूल रहेगा। परंतु आपको संभवित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी ताकि अधिक आयु में कर्ण समस्या उदर की प्रतिकूलता तपेदिक रोग तथा श्वासनली की गड़बड़ी एवं संबंधित रोगादि से पीड़ित न हों।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त दो अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित रहते हैं। परंतु सुंदर एवं उन्नति कारक रंग गुलाबी हरा, नीला, पीला एवं बैगनी रंग है। रंग काला एवं लाल रंग त्यागनीय है।